PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Navbharat Times, Delhi
Sunday 4th May 2014, Page: 18
Width: 12.62 cms, Height: 10.29 cms, a4, Ref: pmin.2014-05-04.30.90

डीटीएबी ने मामले की छानबीन करने को कहा

सस्ते में दवाओं का इंपोर्ट क्यों?

■ सुरेश उपाध्याय, नई दिल्ली

बेहद कम दामों पर कई दवाओं के भारी आयात से सरकार चिंतित है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ड्रग टेक्निकल अडवाइजरी कमिटी (डीटीएबी) ने भारत के ड्रग कंट्रोलर जनरल (डीसीजीआई) से कहा है कि वह इस मामले की गहराई से छानबीन करे और जरूरी होने पर कड़ी कार्रवाई करे। उसने डीसीजीआई से देश के बाजारों में बिक रही दवाओं की क्वॉलिटी सुनिश्चित करने को भी कहा है।

डीटीएबी के नोटिस में लगातार यह आ रहा था कि भारत में कुछ देशों से बेहद कम रेट पर बल्क ड्रग्स आयात की जा रही हैं। उसकी जानकारी में यह भी आ रहा था कि भारत के बाजार में मौजूद कई कंपनियों की एक ही दवा

की क्वॉलिटी में भारी फर्क देखा जा रहा है। इन दवाओं में पैरासिटामॉल और पेनकिलर्स प्रमुख हैं। कई विटामिन्स का भी देश में बड़ी मात्रा में आयात किया जा रहा है। हालात को देखते हुए डीटीएबी ने डीसीजीआई से कहा है कि वह आयात की जा रही बल्क ड्रग्स से जुड़े तमाम दस्तावेजों की जांच करे। जरूरत होने पर उनकी टीम दवा निर्यात कर रही विदेशी कंपनियों के प्लांट्स का दौरा करे और देखे कि वहां दवा निर्माण से जुड़े मानकों का पालन किया जा रहा है कि नहीं।

दो साल पहले चीन से भारत को दवा भेजने वाली कई कंपनियों के प्लांट्स का डीसीजीआई की टीम ने दौरा किया था और इनमें से कई में निर्माण संबंधी गंभीर अनियमितताएं पाई गई थीं। इसके बाद इन कंपनियों से दवाओं के आयात पर रोक लगा दी गई थी। चीन पर तब यह भी आरोप लगा था कि वह दवाओं के लेबल पर 'मेड इन इंडिया' लिखकर दक्षिण अफ्रीकी देशों को दवाएं सप्लाई कर रहा था। अभी बल्क ड्रग्स का सबसे ज्यादा आयात चीन से ही हो रहा है। कम दामों पर दवाओं के आयात से भारत में बल्क ड्रग्स बनाने वाली कंपनियों के कारोबार पर भी असर पड़ रहा है। उन्होंने भी कम दामों पर दवाएं आयात करने के मामले की जांच की मांग की है।

872